# INDIA'S DIGITAL BACKBONE: THE EMERGING ROLE OF CABLE TV AND BROADBAND PROVIDERS

***The future of India's digital economy will be shaped not just by technology, but by the networks that connect millions of homes. Arun Raj, General Manager & Head – Content & Legal at Asianet Satellite Communications Ltd., shares his perspective on the evolving role of cable TV and broadband providers in powering this transformation.***

For decades, the cable television industry has been a silent architect of India's communication revolution. Long before smartphones became ubiquitous and streaming platforms transformed entertainment consumption, cable operators were laying the foundation of digital connectivity across cities, towns, and villages. Through an extensive network of cables stretching to millions of homes, the industry created one of the country's most valuable assets - a robust last-mile infrastructure capable of connecting people, information, and opportunities.

**ARUN RAJ**
*GENERAL MANAGER & HEAD – CONTENT & LEGAL, ASIANET SATELLITE COMMUNICATIONS LTD.*

Today, the industry stands at another defining moment. While some observers perceive the rise of OTT platformsand wireless broadband technologies as challenges to traditional cable television, the reality is far more encouraging. Rather than signalling decline, these developments are accelerating the industry's evolution into a comprehensive digital services ecosystem.

The future of the wired cable TV and broadband industry is not about surviving disruption; it is about leading India's next phase of digital growth.

# भारत का डिजिटल आधारः केबल टीवी और ब्रॉडबैंड प्रदायकों की उभरती भूमिका

***भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य सिर्फ तकनीकी से नही, बल्कि उन नेटवर्क से भी तय होगा जो लाखों घरों को आपस में जोड़ते हैं। एशियानेट सैटेलाइट कम्युनिकेशन्स लि. के जनरल मैनेजर, कंटेंट व लीगल हेड, अरूण राज, इस बदलाव को आगे बढ़ाने में केबल टीवी और ब्रॉडबैंड प्रदायकों की बदलती भूमिका पर अपनी राय रख रहे हैं।***

कई दशकों से केबल टेलीविजन उद्योग भारत की संचार क्रांति की एक शांत सूत्रधार रही है। स्मार्टफोन के हर जगह आम होने और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए मनोरंजन देखने का तरीका बदले से बहुत पहले ही, केबल ऑपरेटर शहरों, कस्बों और गांवों में डिजिटल कनेक्टिविटी की नींव रख रहे थे। लाखों घरों तक फैले केबल के बड़े नेटवर्क के जरिए, इस उद्योग ने देश की सबसे कीमती संपत्तियों में से एक को तैयार किया–एक मजबूत 'लास्ट माइल इंफ्रास्ट्रक्चर' जो लोगों, जानकारी और अवसरों को जोड़ने में सक्षम है।

आज यह उद्योग एक और अहम मोड़ पर खड़ी है। हालांकि कुछ लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म और वायरलेस ब्रॉडबैंड टेक्नोलॉजी के बढ़ने को पारंपरिक केबल टेलीविजन के लिए चुनौती मानते हैं, लेकिन असलियत कहीं ज्यादा उत्साहजनक है। यह बदलाव उद्योग के पतन का संकेत नहीं है, बल्कि इसे एक व्यापक डिजिटल सेवा इकोसिस्टम में बदलने की प्रक्रिया को तेज कर रहे हैं।

वायर्ड केबल टीवी और ब्रॉडबैंड उद्योग का भविष्य सिर्फ बदलावों के दौर में टिके रहने के बारे में नहीं है, बल्कि यह भारत की डिजिटली विकास के अगले चरण का नेतृत्व करने के बारे में है।

## THE SHIFT FROM TELEVISION DISTRIBUTION TO DIGITAL ECOSYSTEMS

The cable television business is no longer limited to delivering television channels into living rooms. It has evolved into a sophisticated platform capable of supporting broadband internet, IPTV, OTT aggregation, cloud-based services, enterprise connectivity, smart home applications, and digital commerce.

What makes this transformation particularly powerful is that it is being built upon infrastructure that already exists. Across India, thousands of Multi System Operators (MSOs) and Local Cable Operators (LCOs) have established extensive networks and trusted customer relationships over many years. This existing foundation provides a significant advantage in an era where connectivity has become as essential as electricity and water.

Instead of investing enormous capital to create new networks from scratch, operators can leverage their established last-mile connectivity to offer multiple digital services through a single platform. This creates efficiencies for operators while providing greater convenience for consumers.

The result is a business model where television, broadband, OTT services, home security solutions, cloud applications, and smart-home technologies converge into a unified digital experience.

## BROADBAND: THE NEW ENGINE OF GROWTH

If television built the industry, broadband will define its future.

India is experiencing an unprecedented surge in digital consumption. High-definition video streaming, online education, remote working, digital payments, cloud computing, gaming, artificial intelligence applications, and connected devices are driving exponential growth in data usage. Every household today has multiple internet-enabled devices competing for bandwidth, creating demand for faster and more reliable connections.

## टेलीविजन वितरण से डिजिटल इकोसिस्टम की ओर बदलाव

केवल टेलीविजन का बिजनेस अब सिर्फ घरों तक टेलीविजन चैनल पहुंचाने तक सीमित नहीं रह गया है। यह एक आधुनिक प्लेटफॉर्म बन गया है, जो ब्रॉडबैंड इंटरनेट, आईपीटीवी, ओटीटी एकीकरण, क्लाउड आधारित सेवा, एंटरप्राइजेज कनेक्टिविटी, स्मार्ट होम उपकरण और डिजिटल कॉमर्स जैसी सुविधायें दे सकता है।

इस बदलाव को जो चीज खासतौर पर असरदार बनाती है, वह यह है कि इसे पहले से मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर पर तैयार किया जा रहा है। पूरे भारत में, हजारों मल्टी सिस्टम ऑपरेटर्स (एमएसओ) और लोकल केबल ऑपरेटर्स (एलसीओ) ने कई सालों में बड़े नेटवर्क और ग्राहकों के साथ भरोसेमंद रिश्ते बनाये हैं। यह मौजूदा आधार बड़ा फायदा देता है, खासकर ऐसे दौर में जब कनेक्टिविटी बिजली और पानी जितनी ही जरूरी हो गयी है।

शुरू से नये नेटवर्क में बहुत ज्यादा पैसा लगाने के बजाय, ऑपरेटर अपनी पहले से मौजूद 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' का इस्तेमाल करके एक ही प्लेटफॉर्म से कई डिजिटल सेवायें दे सकते हैं। इससे ऑपरेटरों की कार्यक्षमता बढ़ती है और ग्राहकों को ज्यादा सुविधा मिलती है।

इसका नतीजा एक ऐसा बिजनेस मॉडल है जिसमें टेलीविजन, ब्रॉडबैंड, ओटीटी सेवायें, घरेलू सुरक्षा उपाय, क्लाउड आवेदन और स्मार्ट होम तकनीकी एकसाथ मिलकर एक ही डिजिटल अनुभव देती है।

## ब्रॉडबैंडः विकास का नया इंजन

अगर टेलीविजन ने इस उद्योग को खड़ा किया है, तो ब्रॉडबैंड इसके भविष्य का तय करेगा।

भारत में डिजिटल इस्तेमाल में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। हाई-डेफिनिशन वीडियो स्ट्रीमिंग, ऑनलाइन शिक्षा, रिमोट वर्किंग, डिजिटल पेमेंट, क्लाउड कंप्यूटिंग, गेमिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आवेदन और कनेक्टेड उपकरण डेटा के इस्तेमाल में तेजी से बढ़ोतरी कर रहे हैं। आज हर घर में कई इंटरनेट इनेबल्ड उपकरण हैं जो बैंडविड्थ के लिए होड़ करते हैं, जिससे तेज और ज्यादा भरोसमंद कनेक्शन की मांग पैदा हो रही है।

While wireless technologies offer mobility and convenience, wired broadband continues to deliver unmatched advantages in speed, consistency, network stability, and low latency. Whether it is a student attending virtual classes, a professional participating in high-definition video conferences, a gamer requiring real-time responsiveness, or a family simultaneously streaming content across multiple screens, fibre-based broadband remains the preferred solution.

This growing dependence on high-quality connectivity positions wired broadband providers at the centre of India's digital economy.

## FIBER NETWORKS: BUILDING THE HIGHWAYS OF THE FUTURE

The next decade will be driven by fibre.

As consumers migrate from basic internet packages to plans offering hundreds of megabits and even gigabit speeds, the importance of Fiber-to-the-Home (FTTH) infrastructure will continue to increase. Emerging technologies such as Artificial Intelligence, Virtual Reality, Augmented Reality, cloud gaming, telemedicine, smart manufacturing, and advanced digital collaboration platforms will require bandwidth capacities that only fibre networks can consistently provide.

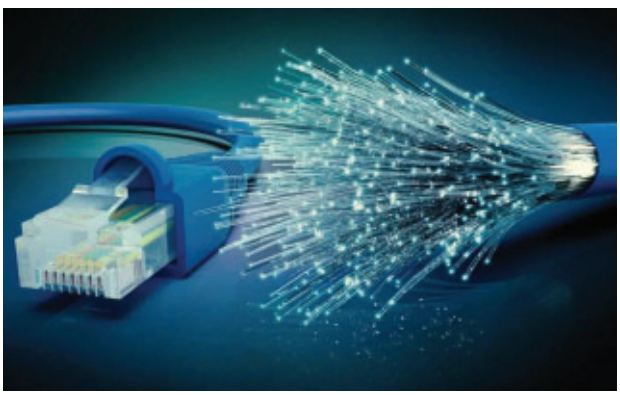

Cable operators are uniquely positioned to participate in this transition. Many have already begun upgrading traditional Hybrid Fiber Coaxial (HFC) networks and deploying extensive fiber infrastructure. These investments are not merely technological upgrades; they are long-term strategic assets that will support digital services for decades.

Just as highways enabled industrial growth in the physical economy, fibre networks will serve as the highways of the digital economy.

## THE NEW AGE OF CONTENT CONSUMPTION

Contrary to popular perception, television is not disappearing. What is changing is the way audiences consume content.

Modern consumers no longer distinguish sharply between traditional television and digital streaming. They simply seek easy access to content whenever and wherever they want. Households increasingly expect a combination

हालांकि वायरलेस तकनीकी से आने–जाने की आजादी और सुविधा मिलती है, लेकिन वायर्ड ब्रॉडबैंड स्पीड, कंसिस्टेंसी, नेटवर्क की स्थिरता और कम लेटेंसी के मामले में बेजोड़ फायदे देता है। चाहे कोई छात्र वर्चुअल क्लास ले रहा हो, कोई प्रोफेशनल हाई डेफिनिशन वीडियो कॉन्फ्रेंस में हिस्सा ले रहा हो, किसी गेमर को रियल टाइम रिस्पॉन्स की जरूरत हो, या कोई परिवार एकसाथ कई स्क्रीन पर कंटेंट देख रहा हो– फाइबर बेस्ड ब्रॉडबैंड ही सबसे अच्छा समाधान बना हुआ है।

अच्छी क्वालिटी वाली कनेक्टिविटी पर बढ़ती निर्भरता ने वायर्ड ब्रॉडबैंड प्रदायकों को भारत की डिजिटल इकॉनमी के केंद्र में ला खड़ा किया है।

### फाइबर नेटवर्कः भविष्य के हाइवे बनाना

अगला दशक फाइबर पर आधारित होगा।

जैसे–जैसे ग्राहक बेसिक इंटरनेट पैकेज से हटकर सैकड़ो मेगाबिट और गीगाबिट स्पीड वाले प्लान अपना रहे हैं, 'फाइबर–टू–द–होम' (एफटीटीएच) इंफ्रास्ट्रक्चर की अहमियत बढ़ती जायेगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वर्चुअल रियालिटी, ऑगमेंटेड रियालिटी, क्लाउड गेमिंग, टेलीमेडिसिन, स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस डिजिटल कोलैबोरेशन प्लेटफॉर्म जैसी नयी तकनीकों के लिए ऐसी बैंडविड्थ क्षमता की जरूरत होगी जो सिर्फ फाइबर नेटवर्क ही लगातार दे सकते हैं।

इस बदलाव में हिस्सा लेने के लिए केबल ऑपरेटर खास स्थिति में हैं। कई केबल ऑपरेटरों ने पहले ही पारंपरिक हाइब्रिड फाइबर कोएक्सियल (एचएफसी) नेटवर्क को अपग्रेड करना और बड़े पैमाने पर फाइबर इंफ्रास्ट्रक्चर लगाना शुरू कर दिया है। ये निवेश सिर्फ तकनीकी अपग्रेड नहीं है, यह लंबे समय के लिए रणनीतिक संपत्ति हैं जो दशकों तक डिजिटल सेवाओं को सपोर्ट करेंगे।

जिस तरह हाइवे ने फिजिकल इकॉनमी में औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया है, उसी तरह फाइबर नेटवर्क डिजिटल इकॉनमी के हाइवे का काम करेंगे।

### कंटेंट देखने का नया दौर

आम धारणा के विपरित टेलीविजन खत्म नहीं हो रहा है। बदल तो बस यह रहा है कि दर्शक कार्यक्रम को कैसे देखते हैं।

आज के ग्राहक पारंपरिक टेलीविजन और डिजिटल स्ट्रीमिंग के बीच कोई खास अंतर नहीं करते। वे बस जब चाहें और जहां चाहें, आसानी से कंटेंट देखना चाहते हैं। घरों में लोग अब एक ही इंटरफेस के

of live sports, news channels, regional entertainment, international content, movies, and on-demand programming through a single interface.

This creates a significant opportunity for cable operators to reposition themselves as content aggregators rather than mere channel distributors.

The future television platform will seamlessly integrate:

- Live television channels
- Integrated OTT subscriptions
- Catchup TV and video-on-demand services
- Regional and hyper-local content
- Interactive and personalised viewing experiences
- Broadband enabled entertainment and smart home services

By becoming the single gateway to digital entertainment, cable operators can simplify content discovery, strengthen customer loyalty, reduce subscription fragmentation, and generate new revenue streams through bundled services, premium content offerings, and targeted advertising.

## THE RISE OF THE CONNECTED HOME

The modern home is rapidly becoming a digital ecosystem.

Smart televisions, connected appliances, security cameras, voice assistants, energy management systems, health monitoring devices, and home automation solutions are increasingly becoming part of everyday life. Every connected device adds to the demand for stable and uninterrupted broadband connectivity.

This evolution creates significant opportunities for cable and broadband operators to expand beyond connectivity and become providers of integrated digital living solutions.

Future households may rely on their broadband provider not only for internet access but also for smart security systems, home automation platforms, cloud storage services, digital entertainment, and technical support. Operators that successfully position themselves at the centre of this connected-home ecosystem will enjoy deeper customer engagement and stronger long-term retention.

जरिए लाइव स्पोर्ट्स, न्यूज चैनल, क्षेत्रीय मनोरंजन, इंटरनेशनल कंटेंट, फिल्में और ऑन डिमांड कार्यक्रम का कॉम्बिनेशन चाहते हैं।

इससे केबल ऑपरेटरों के लिए खुद को सिर्फ चैनल वितरक के बजाय कंटेंट एग्रीगेटर के तौर पर पेश करने का बड़ा मौका मिलता है।

भविष्य का टेलीविजन प्लेटफॉर्म इन सबको आसानी से एकसाथ लायेगाः

- लाइव टेलीविजन चैनल
- एकीकृत ओटीटी सब्सक्रिप्शन
- कैचअप टीवी और वीडियो-ऑन-डिमांड सेवायें
- क्षेत्रीय और हाइपर लोकल कंटेंट
- इंटरैक्टिव और पर्सनलाइज्ड देखने का अनुभव
- ब्रॉडबैंड आधारित मनोरंजन और स्मार्ट होम सेवायें

डिजिटल मनोरंजन के लिए सिंगल गेटवे बनकर, केबल ऑपरेटर कंटेंट खोजना आसान बना सकते हैं, ग्राहकों की वफादारी बढ़ा सकते हैं, सब्सक्रिप्शन के बिखराव को कम कर सकते हैं और बंडल सेवाओं, प्रीमियम कंटेंट और टारगेटेड विज्ञापन के जरिए कमाई के नये जरिया बना सकते हैं।

## कनेक्टेड घरों का उदय

आजकल के घर तेजी से एक डिजिटल इकोसिस्टम का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

स्मार्ट टेलीविजन, कनेक्टेड उपकरण, सुरक्षा कैमरे, वॉयस असिस्टेंट, ऊर्जा प्रबंधन सिस्टम, स्वास्थ्य निगरानी उपकरण और होम ऑटोमेशन समाधान तेजी से रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनते जा रहे हैं। हर कनेक्टेड उपकरण स्थिर और बिना रूकावट वाली ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की मांग को बढ़ाता है।

यह बदलाव केबल और ब्रॉडबैंड ऑपरेटरों के लिए कनेक्टिविटी से आगे बढ़कर एकीकृत डिजिटल लिविंग उपाय देने वाले बनने के कई बड़े मौके पैदा करता है।

भविष्य में घर के लोग न सिर्फ इंटरनेट के लिए बल्कि स्मार्ट सिक्योरिटी सिस्टम, होम ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म, क्लाउड स्टोरेज सर्विस, डिजिटल एंटरटेनमेंट और टेक्निकल सपोर्ट के लिए भी अपने ब्रॉडबैंड प्रदायक पर निर्भर हो सकते हैं। जो ऑपरेटर इस कनेक्टेड-होम-इकोसिस्टम के केंद्र में अपनी जगह बनाने में सफल होंगे, उन्हें ग्राहकों के साथ बेहतर जुड़ाव और लंबे समय तक उन्हें बनाये रखने में ज्यादा सफलता मिलेगी।

## UNLOCKING ENTERPRISE OPPORTUNITIES

The industry's future extends far beyond residential consumers.

India's rapidly expanding startup ecosystem, digital enterprises, educational institutions, healthcare facilities, retail chains, and small and medium businesses require reliable, high-capacity connectivity to operate efficiently. Cloud applications, cybersecurity solutions, virtual collaboration tools, and data-driven business processes have become mission-critical for organisations of every size.

Wired broadband providers can capitalize on this demand by offering dedicated internet services, managed networks, cybersecurity solutions, cloud connectivity, surveillance systems, and enterprise communication platforms.

As businesses continue their digital transformation journeys, broadband operators can evolve into strategic technology partners rather than simple connectivity providers.

## RURAL AND SEMI-URBAN INDIA: THE NEXT GROWTH ENGINE

One of the biggest opportunities lies outside the big cities. Large parts of rural and semi urban India still lack quality broadband, but these regions are quickly adopting digital services for education, healthcare, farming, finance, and small businesses.

## बिजनेस के नये मौके

इस उद्योग का भविष्य सिर्फ घरों में रहने वाले ग्राहकों तक सीमित नहीं है।

भारत में तेजी से बढ़ रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल बिजनेस, शिक्षण संस्थानों, हेल्थ केयर सुविधाओं, रिटेल चेन और छोटे मझोले उद्योगों को ठीक से काम करने के लिए भरोसमंद और ज्यादा क्षमता वाली कनेक्टिविटी की जरूरत है। क्लाउड आवेदन, साइबर सिक्योरिटी समाधान, वर्चुअल सहयोग के लिए टूल और डेटा आधारित बिजनेस प्रोसेस हर आकार के संगठनों के लिए बहुत जरूरी हो गया है।

वायर्ड ब्रॉडबैंड प्रदायक समर्पित इंटरनेट सेवा, मैनेज्ड नेटवर्क , साइबर सिक्योरिटी उपाय, क्लाउड कनेक्टिविटी, सर्विलांस सिस्टम और एंटरप्राइज कम्युनिकेशन्स प्लेटफॉर्म देकर इस मांग का फायदा उठा सकते हैं।

जैसे-जैसे बिजनेस अपने डिजिटल बदलाव के सफर पर आगे बढ़ रहे हैं, ब्रॉडबैंड ऑपरेटर सिर्फ कनेक्टिविटी देने वालों के बजाय रणनीतिक तकनीकी सहयोगी बन सकते हैं।

## ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारतः विकास का अगला इंजन

सबसे बड़े मौकों में से एक मौका बड़े शहरों के बाहर है। भारत के ग्रामीण और अर्ध शहरी इलाकों के बड़े हिस्सों में अभी भी अच्छी क्वालिटी वाले ब्रॉडबैंड नहीं हैं, लेकिन ये इलाके शिक्षा, हेल्थकेयर, खेती, वित्त और छोटे व्यवसायों के लिए तेजी से डिजिटल सेवाओं को अपना रही है।

Cable operators already have strong local presence and community ties in these areas. This gives them an edge in expanding broadband where demand is rising fast. At the same time, rural and semi urban markets offer big potential for new cable TV subscribers. By combining affordable television with broadband and local content, operators can strengthen their position and grow sustainably.

The next wave of subscriber growth will come from Tier 2, Tier 3, and rural regions, turning these markets into major drivers of industry expansion.

## REGULATION AS A GROWTH ENABLER

A supportive regulatory framework is vital for industry growth. The Government's introduction of the Right of Way (RoW) policy is a major step forward, as it simplifies approvals for fiber deployment, reduces delays, and lowers costs for operators. Along with fair taxation, infrastructure sharing, rural expansion incentives, and policies that promote broadband use, this will improve efficiency and encourage investment.

Balanced rules on content and tariffs are equally important. They must protect consumers while ensuring operators remain commercially sustainable.

Measures to retain cable subscribers, prevent signal piracy, encourage local content, and promote TV broadband convergence will further strengthen the industry's future.

With collaborative regulation, consumers receive better services, operators invest with confidence, and India's digital economy continues to grow.

## TRANSFORMING CHALLENGES INTO COMPETITIVE ADVANTAGES

Every industry encounter disruption, and the cable television sector is no exception. The emergence of OTT platforms, streaming services, and wireless broadband has fundamentally altered consumer behaviour.

However, successful industries do not resist change; they adapt and innovate.

Cable operators continue to enjoy several competitive advantages, including extensive last-mile infrastructure, trusted customer relationships, local service capabilities, scalable broadband networks, and the ability to bundle television, broadband, OTT, and digital services under a single subscription.

इन इलाकों में केबल ऑपरेटरों की पहले से ही मजबूत स्थानीय मौजूदगी और कम्युनिटी से अच्छे संबंध हैं। इससे उन्हें उन जगहों पर ब्रॉडबैंड विस्तार करने में बढ़त मिलती है जहां इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। साथ ही, ग्रामीण और अर्ध शहरी बाजार नये केबल टीवी ग्राहकों के लिए बड़ी संभावनायें पेश करते हैं। किफायती टेलीविजन को ब्रॉडबैंड और लोकल कंटेंट के साथ मिलाकर, ऑपरेटर अपनी स्थिति मजबूत कर सकते हैं और लगातार विकास कर सकते हैं।

ग्राहकों की संख्या में अगली बढ़ोतरी टियर **2**, टियर **3** और ग्रामीण इलाकों से होगी, जिससे ये बाजार उद्योग के विकास में अहम भूमिका निभायेंगे।

## विकास को बढ़ावा देने वाले नियम कानून

उद्योग के विकास के लिए एक सपोर्टिव रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बहुत जरूरी है। सरकार की 'राइट–ऑफ–वे' (आरओडब्लू) नीति एक बड़ा कदम है, क्योंकि इससे फाइबर लगाने के लिए मंजूरी मिलना आसान हो जाता है, देरी कम होती है और ऑपरेटरों का खर्च भी घटता है। सही टैक्स सिस्टम, इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरिंग, ग्रामीण इलाकों में विस्तार के लिए इंसेंटिव और ब्रॉडबैंड के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली नीति के साथ–साथ, इससे काम करने की क्षमता बेहतर होगी और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

कंटेंट और टैरिफ के लिए संतुलित नियम भी उतने ही जरूरी हैं। इन्हें ग्राहकों की सुरक्षा करनी चाहिए और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ऑपरेटर वाणिज्यिक टिकाऊ बने रहें।

केबल उपभोक्ताओं को बनाये रखने, सिग्नल पायरेसी को रोकने, लोकल कंटेंट को बढ़ावा देने और टीवी–ब्रॉडबैंड कन्वर्जेंस को प्रमोट करने वाले उपाय उद्योग के भविष्य को और मजबूत करेगा।

मिल–जुलकर नियम बनाने से ग्राहकों को बेहतर सेवायें मिलती हैं, ऑपरेटर भरोसे के साथ निवेश करते हैं, और भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ती रहती है।

## चुनौतियों को प्रतिस्पर्धी अवसर में बदलना

हर उद्योग में बदलाव का दौर आता है और केबल टेलीविजन क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। ओटीटी प्लेटफॉर्म, स्ट्रीमिंग सेवायें और वायरलेस ब्रॉडबैंड के आने से ग्राहकों के व्यवहार में बुनियादी बदलाव आया है।

हालांकि सफल उद्योग बदलाव का विरोध नहीं करती है, वे उसके अनुसार खुद को ढ़ालती हैं और नयी चीजें अपनाती है।

केबल ऑपरेटरों को कई तरह के प्रतिस्पर्धी फायदे मिलते रहते हैं, जैसेकि बड़े पैमाने पर फैला 'लस्ट माइल' इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्राहकों के साथ भरोसेमंद रिश्ता, स्थानीय सेवा देने की क्षमता, जरूरत के हिसाब से बढ़ाया जा सकने वाला ब्रॉडबैंड नेटवर्क, और एक ही सब्सक्रिप्शन में टेलीविजन, ब्रॉडबैंड, ओटीटी, और डिजिटल सेवा को एक साथ देने की सुविधा।

Rather than competing directly with OTT platforms, operators can integrate them. Rather than defending legacy technologies, they can accelerate fibre deployment. Rather than focusing solely on television subscriptions, they can embrace diversified digital services.

The future belongs to operators that view disruption as an opportunity for reinvention.

## CONCLUSION: A NEW GOLDEN ERA FOR THE INDUSTRY

The future of India's cable television industry goes far beyond delivering television channels. It is evolving into a trusted platform that provides digital connectivity, entertainment, and a wide range of value-added services.

By combining cable TV, fibre broadband, OTT content, enterprise connectivity, smart home solutions, and other digital services, operators can create new and sustainable sources of revenue while continuing to serve millions of households across the country.

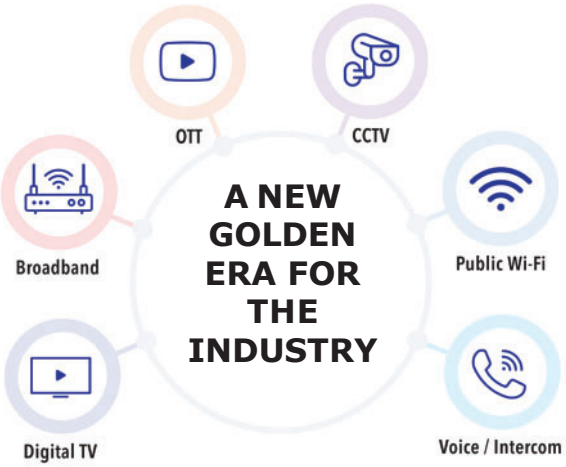


With their extensive last-mile network, strong local presence, and long-standing customer relationships, cable operators are well placed to support India's digital transformation. The future is no longer about choosing between television and broadband—it is about bringing connectivity, content, and digital services together on a single platform. Operators that embrace this transformation will not only remain relevant but will also be well positioned to lead the next phase of growth in India's digital economy.

## ABOUT THE AUTHOR

Arun Raj is General Manager & Head – Content & Legal at Asianet Satellite Communications Ltd., where he leads Content, Broadcaster Relations, Regulatory Affairs, and Legal functions for one of India's leading digital television and broadband service providers. With over 20 years of experience in telecom, broadband, and digital media, he has extensive expertise in content strategy, commercial negotiations, regulatory affairs, legal governance, and strategic partnerships. Passionate about driving innovation and policy reforms, he is committed to shaping the future of India's broadband and digital media ecosystem.■

ओटीटी प्लेटफॉर्म से सीधे मुकाबला करने के बजाय, ऑपरेटर उन्हें अपने सिस्टम में शामिल कर सकते हैं। पुरानी तकनीकी का बचाव करने के बजाय, वे फाइबर नेटवर्क बिछाने का काम तेजी से कर सकते हैं। सिर्फ टीवी सब्सक्रिप्शन पर ध्यान देने के बजाय वे कई तरह की डिजिटल सेवाओं को अपना सकते हैं।

भविष्य उन ऑपरेटरों का है जो बड़े बदलावों को खुद को नये सिरे से ढालने के मौके के तौर पर देखते हैं।

## निष्कर्षः उद्योग के लिए एक नया सुनहरा दौर

भारत की केबल टीवी उद्योग का भविष्य सिर्फ टेलीविजन चैनल दिखाने तक सीमित नहीं है। यह एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म के तौर पर विकसित हो रही है जो डिजिटल कनेक्टिविटी, मनोरंजन और कई तरह की वैल्यू आधारित सेवा देती है।

केबल टीवी, फाइबर ब्रॉडबैंड, ओटीटी कंटेंट, एंटरप्राइज कनेक्टिविटी, स्मार्ट होम सॉल्यूशन और दूसरी डिजिटल सेवाओं को मिलकर, ऑपरेटर देशभर के लाखों घरों को सेवा देते हुए कमाई के नये और टिकाऊ जरिया बना सकते हैं।

अपने बड़े 'लास्ट माइल' नेटवर्क, मजबूत स्थानीय मौजूदगी और ग्राहकों के साथ लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों की वजह से, केबल ऑपरेटर भारत के डिजिटल बदलाव में मदद करने की अच्छी स्थिति में हैं। भविष्य अब टेलीविजन और ब्रॉडबैंड के बीच किसी एक को चुनने का नहीं है, बल्कि यह कनेक्टिविटी, कंटेंट और डिजिटल सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर लाने के बारे में है। जो ऑपरेटर इस बदलाव को अपनायेंगे, वे न सिर्फ प्रासंगिक बने रहेंगे, बल्कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में विकास के अगले चरण करने के लिए भी अच्छी स्थिति में रहेंगे।

## लेखक के बारे में

श्री अरूण राज, एशियानेट सैटेलाइट कम्युनिकेशन्स लिमिटेड. में जनरल मैनेजर और कंटेंट व लीगल मामलों के प्रमुख हैं। वे भारत की प्रमुख डिजिटल टेलीविजन और ब्रॉडबैंड सेवा प्रदायक कंपनियों में से एक के लिए कंटेंट, प्रसारक संबंध, रेगुलेटरी मामले और कानूनी कार्यों का नेतृत्व करते हैं। टेलीकॉम, ब्रॉडबैंड और डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में 20 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, उन्हें कंटेंट रणनीति, वाणिज्यिक बातचीत, रेगुलेटरी मामलों, कानूनी गवर्नेंस और रणनीतिक साझेदारी में गहरी विशेषज्ञता हासिल है। इनोवेशन और नीति में सुधार लाने को उत्साहित, वे भारत के ब्रॉडबैंड और डिजिटल मीडिया इकोसिस्टम के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।■